(9) अ५५७,

F. No. - 65

(24)

परियोजना निदेशक,
राष्ट्रीय बाल श्रम परियोजना,
रामपुर (उ0प्र0)।

सेवा में,

निदेशक,
जी0बी0 पन्त सामाजिक विज्ञान संस्थान,
झुसी, प्रयागराज/इलाहाबाद (उ0प्र0)।

पत्रांक –: 06-08 /रा0बा0श्र0परि0(रा0) दिनांक –: 09-01-2019

विषयः– राष्ट्रीय बाल श्रम परियोजना के अन्तर्गत जनपद रामपुर (उ0प्र0) में बाल श्रमिको/कामकाजी बच्चो का सर्वेक्षण कर चिन्हांकन कार्य कराये जाने की स्वीकृति संस्थान को प्रदान किये जाने विषयक–

महोदय,

कृपया आप अपने कार्यालय के पत्र सं0 जीबीपीआई/बाल श्रम सर्वेक्षण/594/2018 दि0–10/08/2018 का सन्दर्भ ग्रहण करने का कष्ट करें जिसमें आपके द्वारा जनपद रामपुर में बाल श्रमिको/कामकाजी बच्चो का सर्वेक्षण कर चिन्हांकन कार्य किये जाने का प्रस्ताव प्रस्तुत किया गया है।

तदक्रम में जिलाधिकारी महोदय, रामपुर द्वारा आपके संस्थान के प्रस्ताव को स्वीकृति प्रदान करते हुये जनपद रामपुर (उ0प्र0) में कार्यरत बाल श्रमिको/कामकाजी बच्चों का सर्वेक्षण द्वारा चिन्हीकरण निर्धारित संलग्न सर्वेक्षण प्रपत्र पर किया जाना सुनिश्चित करेंगे तथा सर्वेक्षण उपरान्त 9–14 आयु वर्ग के चिन्हित बाल श्रमिको/कामकाजी बच्चों के कलस्टर (समूह) व स्थान के आधार पर एन0सी0एल0पी0 योजनान्तर्गत विशेष प्रशिक्षण केन्द्र खोले जाने की संस्तुति सर्वेक्षण रिपोर्ट सहित आपके संस्थान द्वारा **कार्यालय परियोजना निदेशक, राष्ट्रीय बाल श्रम परियोजना, निकट लेबर कोर्ट, राधा रोड, सिविल लाईन्स, रामपुर (उ0प्र0) पिनकोड–244901** को उपलब्ध करायी जायेगी।

अतः उपरोक्त के अनुक्रम में आपसे अनुरोध है कि तत्काल जनपद रामपुर में बाल श्रमिको/कामकाजी बच्चो का सर्वेक्षण कर चिन्हांकन कार्य सम्पादित कर रिपोर्ट कार्यालय परियोजना निदेशक को शीघ्रातिशीघ्र प्रस्तुत करने का कष्ट करें ताकि निर्धारित समयावधि में अग्रिम कार्यवाही सुनिश्चित की जा सके।

According talk : I II III 40:40:20%
Installments.

भवदीय,

(पंकज कुमार)
परियोजना निदेशक,
एन0सी0एल0पी0, रामपुर

पत्रांक :– /उक्त दिनांक :–

प्रतिलिपि निम्न को सादर सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित–

01- जिलाधिकारी महोदय, रामपुर।

02- मुख्य विकास अधिकारी महोदय, रामपुर को अनुश्रवण हेतु।

Prof. Sumit Singh

(पंकज कुमार)
परियोजना निदेशक,
एन0सी0एल0पी0, रामपुर

गोविन्द बल्लभ पन्त सामाजिक विज्ञान संस्थान
Govind Ballabh Pant Social Science Institute
(A Constituent Institute of Central University of Allahabad)

प्रोफेसर सुनीत सिंह
कार्यकारी निदेशक

जीबीपीआई/बालश्रम सर्वेक्षण/ 594 /2018
अगस्त 10, 2018

सेवामें

श्री पंकज कुमार
परियोजना निदेशक
राष्ट्रीय बाल श्रम परियोजना,
रामपुर (उत्तर प्रदेश)

विषयः राष्ट्रीय बाल श्रम परियोजना के अन्तर्गत जनपद रामपुर (उ0प्र0) में बाल श्रमिकों/कामकाजी बच्चों का सर्वेक्षण कर चिन्हांकन कार्य कराये जाने के संदर्भ में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक अपने पत्रांक संख्या 25ह2–78/एन0सी0एल0पी0(रा0) दिनांक 12.07.2018 का संदर्भ ग्रहण करने की कृपा करें।

उपर्युक्त पत्र के अनुक्रम में संस्थान आप द्वारा प्रस्तावित शोध कार्य करने हेतु सहमत है जिसकी कार्य योजना की रूप रेखा एवं अनुमानित ब्यय का प्रस्ताव आपके विचारार्थ प्रेषित कर रहा हूँ।

आशा करता हूँ कि बालश्रम न्हिांकन जैसे महत्वपूर्ण विषय पर संस्थान को जुड़ने का अवसर प्रदान करेंगे।

सादर,

भवदीय

संलग्नकः यथोपरि

(सुनीत सिंह)

Off. : Jhusi, Allahabad-211 019 India, Phones : EPABX : (0532) 2567516, 2569298, 2567802 Fax : (0532) 2569214

गोविन्द बल्लभ पंत सामाजिक विज्ञान संस्थान, इलाहाबाद

परियोजना प्रस्ताव

रामपुर जनपद में बाल श्रम चिन्हाकंन

बच्चे किशोर किसी भी समाज का भविष्य हैं इसलिए उनकी शिक्षा, स्वास्थ्य, कौशल प्रशिक्षण एवं समग्र विकास का दायित्व वर्तमान पीढ़ि का होता है। इसी परिप्रेक्ष्य में बालश्रम उन्मूलन राष्ट्रीय चिन्ता का विषय हैं। जो समाज बाल श्रम को न रोक सके उसे सभ्य समाज कहलाने का अधिकार नहीं हैं। इसीलिए बाल श्रम को सामाजिक अभिशाप के रूप में देखा जाता है। हाल के वर्षो मे इसे समाप्त करने के लिए सरकारी एवं गैर–सरकारी संगठनों द्वारा ठोस पहल की गयी है, उत्साहजनक परिणाम भी देखने को मिले हैं परिणामस्वरूप अनेक क्षेत्रों में बाल श्रमिकों की संख्या में कमी आई है। अभी और प्रयास की जरूरत है ताकि इस समस्या को समूल समाप्त किया जा सके।

'बाल श्रम' दो अंतर्विरोधी शब्दो को मिलाकर उपजी एक अवधारणा है। जहाँ एक 'बाल' शब्द भोलेपन और कमजोर शारीरिक स्थिति की अभिव्यक्ति है वहीं दूसरी ओर 'श्रम' कठिन कार्य क़रने और मेहनत करने को दर्शाता है इस लिहाज से बालश्रम को रोका जाना समाज का नैतिक दायित्व है। जहां एक ओर प्राचीन काल से आर्थिक गतिविधियों में बाल श्रम का उपयोग प्रचलन मे रहा है वही दूसरी ओर बच्चों को श्रमिक के रूप में नियोजित करने का विरोध भी साथ–साथ चलता रहा है और यह क्रम आजतक जारी है।

आधुनिक राजनैतिक एवं सामाजिक आर्थिक परिप्रेक्ष्य मे बालश्रम को आधुनिक दासता एवं बंधुआपन के स्वरूप में देखा जाता हैं। इस आधार पर अन्तर्राश्ट्रीय और राश्ट्रीय मंचो पर इसपर पूर्ण प्रतिबन्ध लगाने के लिए सरकारी एवं गैरसरकारी संगठन संकल्प लेते रहे है।

अंतर्राष्ट्रीय पहल

ILO कन्वेशन सं. 138– 1973 में ILO के 138वें कन्वेंशन के आधार पर यह तय किया गया कि किसी भी स्थिति में रोजगार में प्रवेश की उम्र अनिवार्य शिक्षा की उपरी सीमा से कम नहीं होना चाहिए। भारत में यह उम्र सीमा 15 वर्ष से कम नहीं होना चाहिए।

ILO कन्वेशन सं. 138– 1999 में ILO कन्वेशन 182 में कहा गया कि अनुच्छेद 1 में संकल्प लिया गया कि बाल श्रम के सर्वाधिक बुरे स्वरूपों को तत्काल रोकने तथा समाप्त करने के लिए कदम उठाने चाहिए। इसी कन्वेशन में बालक/बालिका की उम्र सीमा 18 वर्श तक निर्धारित किया।

Director
G. B. Pant Social Science Institute
A Constituent Institute of University of Allahabad
Allahabad

प्रश्नावलियों के सुधार पर पुनर्विचार	—	02
प्राथमिक आंकड़ा संग्रहण एवं प्रस्तुतिकरण चरण FGD एवं स्नोबाल प्रविधि प्रश्नावलियों के माध्यम से I	—	06
प्राथमिक आंकड़ा संग्रहण एवं प्रस्तुतिकरण चरण II	—	30
डाटा एन्ट्री एंव जाँच	—	07
विश्लेषण एवं रिर्पोट लेखन	—	07
कुल	—	**60**

अनुमानित बजट

क्रम सं0	विवरण	संख्या	बजट
1	परियोजना स्टाफ		
(I)	परियोजना सलाहकार प्रोफेसर (स्थायी) 30 घंटे/प्रति माह @ 20000/प्रति माह	1	40,000.00
(II)	शोध अधिकारी– एम0ए0 (अस्थायी) @ 25000/प्रति माह	1	50,000.00
(III)	सर्वेक्षणकर्ता न्यूनतम योग्यता–बी0ए0@ 12,000.00 प्रतिमाह (अस्थायी)	8	1,92,000.00
	योग(1)		**2,82,000.00**
2	स्टेशनरी एंव प्रिटिंग @ 5.00 प्रति प्रश्नावली	2000	10,000.00
3	सर्वेक्षणकर्ताओं का प्रशिक्षण @ 500.00 प्रतिदिन X 2 X 8		8,000.00
4	यात्रा व्यय		
	8 सर्वेक्षणकर्ता @ 125X2X8		60,000.00
	1 शोधअधिकारी @ 150X1X30		45,00.00
	1 परियोजना निदेशक @ 2000X1X05		10,000.00
	योग(4)		**745000.00**
5	प्राथमिक आंकडों का डाटा एन्ट्री एवं विश्लेषण (SPSS)		25,000.00
	कुल योग (1+2+3+4+5)		**3,99,500.00**

Director
G. B. Pant Social Science Institute
A Constituent Institute of University of Allahabad
Allahabad